सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 24 | अजमेर, बुधवार 10 जून 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

अजमेर : पीने के पानी पर रार, कांग्रेस ने फोड़े जलदाय कार्यालय पर मटके

अजमेर। राजस्थान में अजमेर में पीने के पानी को लेकर मच रहे हाहाकार के खिलाफ अजमेर शहर जिला कांग्रेस समिति ने जलदाय विभाग के कार्यालय पर प्रदर्शन किया।शहर जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ.राजकुमार जयपाल की अगुवाई में रैली के रूप में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप जलदाय विभाग के कार्यालय पर खाली मटके फोड़े और जोरदार नारेबाजी की।

जयपाल ने आरोप लगाया के बीसलपुर बांध का पानी अजमेर की प्यास बुझाने के लिए रखा गया था, लेकिन अधिकारियों की मनमर्जी से पानी का दोहन अजमेर के अलावा अन्य स्थानों पर कर दिया गया जिससे अजमेर में पेयजल किल्लत पैदा हो गई।उन्होंने कहा कि शहरी इलाकों में पानी की आपूर्ति का अंतराल बढ़ने से गर्मी के बीच 72 से 96 घंटे के बीच बहुत ही कम दबाव से पानी दिया जा रहा है। इस कारण लोगों को पानी खरीदना पड़ रहा है।

इस मौके पर मौजूद पूर्व विधायक डॉ गोपाल भारती ने अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पानी का अंतराल अनियमित होने के बावजूद अधिकारी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहे और न ही आम जनता से उन्हें कोई सरोकार है।इससे पहले भारी संख्या में पहुंचे कांग्रेस जन और विरोध की स्थिति को देखते हुए जलदाय विभाग के मुख्य कार्यालय पर पुलिस का विशेष बंदोबस्त किया गया। करीब एक घंटा चले इस विरोध प्रदर्शन में शहर कांग्रेस के कई पदाधिकारी सहित महिला कांग्रेस की कई सदस्य और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

जयपुर में अवैध पटाखा गोदाम में आग लगने से 6 लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान में जयपुर के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में मंगलवार को अवैध पटाखा गोदाम में अचानक आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई जबकि दो व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गए।सवाई मान सिंह अस्पताल सूत्रों के अनुसार इस हादसे में गंभीर रुप से झुलसे छह लोगों को अस्पताल लाया गया था जिनमें एक व्यक्ति दम तोड़ चुका था और पांच का इलाज शुरू किया गया था लेकिन उन्हें भी बचाया नहीं जा सका।पुलिस और प्रशासन के अनुसार पूर्वाह्न करीब ग्यारह बजे क्षेत्र में आयशा नगर तलाई स्थित आईटीआई कॉलेज के पास स्थित एक अवैध पटाखा गोदाम में अचानक आग लग गई और कई धमाके हुए और अंदर मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए। घटना में रामगंज निवासी अब्दुल, रहीम नगर निवासी बिलाल, समीर, आजीम, राबिल सहित छह लोगों की मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि अवैध पटाखा गोदाम वाला मकान दिल्ली निवासी फिरोज को किराये पर हुआ था। घटना के बाद परिसर को सील कर दिया गया है।राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना से प्रभावित लोगों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के विशाखा स्टील संयंत्र में पिघला हुआ स्टील गिरने से 9 श्रमिकों की मौत

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड में सोमवार की शाम एक भीषण औद्योगिक हादसा हुआ। यहां स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस-2) में पिघला हुआ गर्म धातु रिसाव के कारण काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया, जिससे नौ श्रमिकों की मौत हो गई और 14 अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए।विशाखापत्तनम स्टील प्लांट (वीएसपी) के यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि मशीनरी के रखरखाव को नजरंदाज किया गया था। प्रबंधन ने अभी तक किसी तरह की टिप्पणी नहीं की है और न ही कोई विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे में शोक व्यक्ति किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र में हुई दुर्घटना से व्यथित हूं। मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया।वहीं, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वीएसपी में हुए हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने जिला अधिकारियों से बात की और उन्हें शोक संतप्त परिवारों और घायलों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिघले हुए स्टील (जो 1500 डिग्री सेल्सियस गर्म था) को ले जा रही हॉट मेटल बाल्टी या लैडल (कड़ाही) संभवतः एक धमाके के कारण गिर गई, जिससे पिघला हुआ धातु जमीन पर काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसे के बाद घबराए हुए कर्मचारी इधर-उधर भागने लगे।

आग बुझाने के लिए बड़ी संख्या में दमकल गाड़ियां प्लांट पहुंचीं। जख्मी लोगों को विभिन्न अस्पतालों में पहुंचाया गया। स्टील प्लांट में भारी अफरा-तफरी मच गई क्योंकि पिघला हुआ लोहा पूरे इलाके में फैल गया था।मृतकों की पहचान अप्पा राव, प्रभाकर राव, कृष्णा, रमना, त्रिनाथ, अप्पाला राजू, गोल्ड कुमार, भानु कुमार और रामनाथ के रूप में हुई है। मृतकों में से छह नियमित कर्मचारी थे जबकि तीन संविदाकर्मी थे।जख्मी लोगों को केजी अस्पताल और कुछ निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जख्मी कर्मचारियों में आर मल्लिकार्जुन राव, पी श्रीनिवास, अर्जुन अप्पा राव, सत्यानंद, सूरीबाबू और पैडी राजू का इलाज चल रहा है।राज्य की गृह मंत्री वी अनीता ने सांसद भरत, जिला कलेक्टर एमए किशोर और अन्य अधिकारियों के साथ वीएसपी में दुर्घटना वाली जगह पहुंचे।

मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन निरस्त, भाजपा के तीसरे उम्मीदवार की संभावनाएं बढ़ी

भोपाल। मध्यप्रदेश से राज्यसभा के द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र आज मंगलवार को जांच के दौरान निरस्त कर दिया गया। विधानसभा के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी की ओर से नामांकन पत्र पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। आपत्ति में आरोप लगाया गया था कि उम्मीदवार ने अपने शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित प्रकरण संबंधी जानकारी का उल्लेख नहीं किया है।वही भाजपा की ओर से प्रस्तुत आपत्ति में कहा गया कि निर्वाचन संबंधी नियमों और न्यायालयों के निदेर्शों के अनुसार उम्मीदवारों को अपने विरुद्ध लंबित मामलों की जानकारी शपथ पत्र में देना अनिवार्य है। इसी आधार पर नामांकन निरस्त करने की मांग की गई थी।मामले की सुनवाई के दौरान रिटर्निंग अधिकारी ने दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया। कांग्रेस की ओर से तर्क दिया गया कि उम्मीदवार के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है और केवल न्यायालय से नोटिस प्राप्त हुआ है, इसलिए जानकारी छिपाने का आरोप निराधार है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने निर्णय सुरक्षित रख लिया था। बाद में नामांकन पत्र निरस्त किए जाने का आदेश जारी किया गया।सुनवाई के दौरान विधानसभा परिसर में राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। कांग्रेस और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष के बाहर मौजूद रहे। इस दौरान कुछ समय के लिए बहस और हंगामे की स्थिति भी बनी रही।

मध्यप्रदेश से राज्यसभा की रिक्त सीटों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया जारी है। वही कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन निरस्त होने के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा उतारे गए तीसरे उम्मीदवार महेश केवट के निर्वाचन की संभावनाएं बढ़ गई हैं।यदि कांग्रेस को इस मामले में न्यायालय से राहत नहीं मिलती है और नामांकन बहाल नहीं होता, तो मध्यप्रदेश से राज्यसभा की तीनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के निर्वाचित होने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

सुखेंदु शेखर रॉय ने छोड़ी तृणमूल कांग्रेस, राज्यसभा से भी दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने सोमवार को पार्टी छोड़ने के साथ-साथ राज्यसभा से भी इस्तीफा दे दिया। राय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ साथ राज्यसभा की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि राय ने सचिवालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया है।राय ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने 15 वर्ष से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, रोजगार और कानून व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में बुरी तरह नाकाम रहने पर सत्ता से बाहर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी संख्या में सीटें जीतीं।उन्होंने कहा कि इस बीच नई चुनी हुई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपने चुनाव घोषणा पत्र के अनुसार पश्चिम बंगाल के चहुमुखी विकास और पुनर्निमाण के लिए कई कार्यक्रम लागू करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है।रॉय ने कहा कि मैं लोगों के इस ऐतिहासिक फैसले को विनम्रता से स्वीकार करता हूं और तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा देता हूं।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद से बड़ी संख्या में नेताओं ने पार्टी से किनारा करना शुरू कर दिया है।

सम्पादकीय

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्व केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि ह्यगरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।ह्न आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं।

सतीश पूनियां एवं अलका गुर्जर ने राज्यसभा के लिए दाखिल किए नामांकन पत्र

जयपुर। राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव-2026 के लिए सोमवार को यहां राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ सतीश पूनियां एवं डॉ अलका गुर्जर ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ पूनियां ने विधानसभा भवन में चुनाव अधिकारी भारत भूषण शर्मा के समक्ष राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र भरा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ प्रेम चंद बैरवा मौजूद थे।इसी तरह भाजपा महासचिव डॉ अलका गूर्जर ने चुनाव अधिकारी के समक्ष राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और इस अवसर पर उनके साथ भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं मदन राठौड़ मौजूद थे।इससे पहले दोनों प्रत्याशी भाजपा कार्यालय पहुंचे और वहां मुख्यमंत्री और अन्य नेता भी पहुंचकर इन दोनों उम्मीदवारों को साथ लेकर नामांकन के लिए विधानसभा पहुंचे। इस दौरान विधानसभा भवन में संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल सहित कई मंत्री एवं विधायक मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि 18 जून को राज्यसभा के लिए राजस्थान से तीन सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी एवं सांसद नीरज डांगी पहले ही अपना नामांकन पत्र भर चुके हैं और अब तक इन तीन प्रत्याशियों के अलावा किसी उम्मीदवार ने अपना पर्चा दाखिल नहीं किया है।नामांकन की सोमवार को आखिरी तारीख हैं और इसके बाद मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 11 जून नाम वापसी की तारीख के बाद इन तीन प्रत्याशियों के ही चुनाव मैदान में होने पर दो भाजपा एवं एक कांग्रेस प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

कोटपुतली-बहरोड के नीमराणा में रिश्वत लेते पटवारी अरेस्ट

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक (एसीबी) ने ब्यूरो की जयपुर नगर तृतीय जयपुर इकाई ने कोटपुतली- बहरोड जिले की नीमराणा तहसील में एक पटवारी को साढ़े चार हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।ब्यूरो के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि परिवादी ने ब्यूरो की जयपुर नगर तृतीय जयपुर इकाई में शिकायत की कि नीमराणा तहसील के रैवाना हल्के में उसने जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन किया था, जिसके सीमांकन का कार्य करने की एवज में पटवारी धर्मसिंह ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।

उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान धर्मसिंह सीमांकन कार्य के लिए साढ़े चार हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। इसके बाद धर्मसिंह को जयपुर नगर तृतीय जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में गठित ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर धर्म सिंह को परिवादी से साढ़े चार हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

रिलायंस इंफ्रा ने एआई कारोबार में रखा कदम, बनाई तीन नई सहायक कंपनी

मुंबई। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कारोबार के क्षेत्र में कदम रखते हुए तीन नई सहायक कंपनियां बनाने की सोमवार को घोषणा की।ये कंपनियां रिलायंस एआई वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस एआई एपेक्स प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस एआई वन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से बनाई गई हैं। इस घोषणा के बाद रिलायंस इंफ्रा के शेयर पांच प्रतिशत (4.10 रुपए) चढ़कर 86.17 रुपए पर पहुंच गए।रिलायंस इंफ्रा ने शेयर बाजारों को बताया है कि तेजी से बढ़ते एआई और नए जमाने की प्रौद्योगिकियों का हिस्सा बनने के लिए उसने अपनी नई सहायक कंपनियों के जरिये अपने कारोबार में एआई और संबंधित प्रौद्योगिकी आधारित गतिविधियों को शामिल करने के लिए कदम उठाए हैं।रिलायंस इंफ्रा अनिल डी. अंबानी रिलायंस ग्रुप का हिस्सा है।

वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी वीर चक्र से सम्मानित

बारां। राजस्थान में बारां जिले की अटरू तहसील स्थित कुंजैड़ गांव के निवासी भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में देश के प्रतिष्ठित सैन्य अलंकरण वीर चक्र से सम्मानित किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्हें यह सम्मान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित असाधारण शौर्य, साहसिक नेतृत्व और उत्कृष्ट सैन्य सेवा के लिए प्रदान किया गया।राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए इस सम्मान से बारां जिले सहित पूरे हाड़ौती में हर्ष और गौरव का माहौल है। ग्रुप कैप्टन पाटनी मूल रूप से बारां जिले के अटरू क्षेत्र के कुंजैड़ गांव के निवासी हैं। उनके इस सम्मान से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है और लोगों ने इसे जिले और राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया है।परिजनों, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों ने ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को वीर चक्र मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भजनलाल शर्मा ने की गिरिराज महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा

डीग। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात सामान्य श्रद्धालु की तरह सात दंडवती लगाकर ब्रज की पावन धरा पर आराध्य देव गोवर्धन गिरिराज जी महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा की और इस दौरान परिक्रमा मार्ग में जनसैलाब उमड़ पड़ा।इससे पहले शर्मा ने डीग स्थित श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और इसके बाद परिक्रमा शुरू की। परिक्रमा के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्थानीय नागरिकों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत और अभिनंदन किया।

इस दौरान पूरा परिक्रमा मार्ग बोलो गिरिराज महाराज की जय के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। परिक्रमा के बाद मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लोठा में आमजन से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी।

भरतपुर के संभाग स्तरीय आरबीएम अस्पताल में जेबकतरे को दबोचा

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के संभाग स्तरीय आरबीएम अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की जेब साफ करने वाले सक्रिय शातिर जेबकतरों के एक सदस्य को मंगलवार को रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।सूत्रों ने बताया कि अस्पताल की पर्ची काउंटर की लाइन में लगने वाले लोगों को निशाना बनाने वाले इस चोर को उन युवकों ने ही दबोचा, जो बीते दिन खुद इसका शिकार हुए थे।रविवार को जिन युवकों की जेब कटी थी, वे आज फिर से अस्पताल पहुंचे और संदिग्धों पर नजर रखने लगे। इसी दौरान उन्होंने आरोपी जेबकतरे को एक अन्य व्यक्ति की जेब काटते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर मौजूद गार्डों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

फीफा विश्व कप : 39 दिन, 48 टीमें, कुल 104 मैच

नई दिल्ली। फुटबॉल का महाकुंभ 'फीफा विश्व कप' 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा जिसमें 39 दिनों में 48 टीमें

हिस्सा लेंगी और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। जी 5 भारत में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑफिशियल स्ट्रीमिंग डेस्टिनेशन होगा, और मैच नए लॉन्च हुए स्पोर्ट्स टेलीविजन नेटवर्क, यूनाइट 8 पर भी दिखाए जाएंगे। ये दोनों प्लेटफॉर्म मिलकर टूर्नामेंट की पूरी कवरेज देंगे और देश भर के फुटबॉल फैंस के लिए ओपनिंग मैच से लेकर फाइनल तक के हर पल को दिखाएंगे।फीफा वर्ल्ड कप 2026 इस खेल के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। पहली बार, इस टूर्नामेंट में 48 नेशनल टीमें और 104 मैच होंगे, जिससे यह इतिहास का सबसे बड़ा फीफा वर्ल्ड कप बन जाएगा।अमरीका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलेगा और उत्तरी अमेरिका के 16 होस्ट शहरों में आयोजित होगा।

टूर्नामेंट की एक झलकः-तारीखें-11 जून से 19 जुलाई 2026, होस्ट देश-अमरीका, कनाडा और मैक्सिको, भाग लेने वाली टीमें-48 कुल मैच-104 होस्ट शहर-16

वाहनों की खुदरा बिक्री ने मई में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। देश में वाहनों की मांग में पिछले साल सितंबर से जारी तेजी अब भी बनी हुई है और वाहनों की खुदरा बिक्री ने मई महीने के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।वाहन डीलरों से शीर्ष संगठन (फाडा) द्वारा वाहनों के पंजीकरण के आधार पर सोमवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल यात्री वाहनों, तिपहिया, ट्रैक्टरों और कुल बिक्री का मई का नया रिकॉर्ड बना है। वाहनों की कुल बिक्री 25,31,067 इकाई दर्ज की गई जो पिछले साल मई के मुकाबले 9.55 प्रतिशत अधिक है, हालांकि इस साल अप्रैल (27.14 लाख) की तुलना में यह 6.75 प्रतिशत कम है।एक और खास बात यह रही कि पहली बार कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का योगदान 11 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। मई में यात्री वाहनों की बिक्री, जिसमें कारें, उपयोगी वाहन और वैन शामिल हैं, सालाना 23.25 प्रतिशत बढ़कर 4,02,591 इकाई रही। तिपहियाकी बिक्री 3.56 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,11,526 इकाई पर और ट्रैक्टरों की 11.17 फीसदी बढ़कर 83,092 इकाई पर रही।दुपहिया की बिक्री 7.54 प्रतिशत बढ़ी और मई में 18,44,947 इकाई हो गयी। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 5.29 फीसदी बढ़ी और 83,823 इकाई दर्ज की गई। इसमें 7.66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हल्के वाणिज्यिक वाहनों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा।

फाडा के अध्यक्ष सीएम विग्नेश्वर ने इन आंकड़ों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद मई में वाहनों की बिक्री अच्छी बनी रही। दुपहिया वाहनों में शहरी इलाकों में बिक्री 11.75 प्रतिशत बढ़ी है जबकि ग्रामीण इलाकों में 4.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खास बात यह है दुपहिया में ईवी की हिस्सेदारी 9.25 प्रतिशत बढ़ी है। यह एक साल पहले 6.11 प्रतिशत पर थी।वहीं, यात्री वाहनों की बिक्री ग्रामीण इलाकों में ज्यादा तेजी से बढ़ी। वहां इसकी वृद्धि दर 30.35 प्रतिशत रही जबकि शहरी इलाकों में यह 18.80 फीसदी दर्ज की गई। इसमें भी सीएनजी की हिस्सेदारी बढ़कर 23.34 प्रतिशत पर और ईवी की 6.63 प्रतिशत पर पहुंच गई।विग्नेश्वर ने कहा कि कुल मिलाकर मई में वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत पर रही। कुल मिलाकर वाहनों की बिक्री में ईवी का योगदान पहली बार 11 प्रतिशत के पार पहुंचा है।

राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक पद से जुगल किशोर को हटाया

जयपुर। राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार होने के बाद पद से हटाया दिया गया हैं।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार निगम के अशासकीय निदेशक जुगल किशोर को निदेशक मंडल के सदस्य पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।उल्लेखनीय है कि जुगल किशोर का मनोनयन राजस्थान राज्य बीज निगम की 47वीं वार्षिक साधारण सभा में गत 10 फरवरी को निगम के निदेशक मंडल में निदेशक के पद पर किया गया था।

हाल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा भ्रष्टाचार से संबंधित एक प्रकरण में उनकी गिरफ्तारी के पश्चात निगम की साख, पारदर्शिता एवं जनविश्वास को बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। एसीबी ने जुगल किशोर के घर से करीब एक करोड़ 59 लाख रुपए और उनके भांजे के पास 85 लाख रुपए जब्त किए थे।

प्रयागराज में सौतेले मामा ने 10 साल की बच्ची को बनाया हवस का शिकार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के शिवकुटी थाना क्षेत्र में एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ उसके सौतले मामा ने बलात्कार किया। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपी फरार बताया जा रहा है।पीड़ित बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम वह अपने दो छोटे पुत्रों को लेकर बाजार गई थी जबकि पिता रोज की तरह आइसक्रीम की रेहड़ी लगाने गए थे। करीब पांच बजे बच्ची घर पर अकेली थी। इस बीच उसके सौतेले भाई ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

मां का कहना है कि जब वह कुछ देर बाद वापस घर लौटी तो बेटी गंभीर अवस्था में मिली। पूछने पर बच्ची ने कुछ दूर पर रहने वाले मामा का नाम लिया। बेटी की हालत देखकर मां ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसे डफरिन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।पीड़िता की मां ने बताया कि उसके पिता ने दो शादियां की थीं। आरोपी उसकी सौतेली मां का भाई है और घर में उसका आना-जाना लगा रहता था। परिवार का आरोप है कि इसी परिचय और विश्वास का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया।शिवकुटी थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मामले की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। बच्ची का मेडिकल परीक्षण और उपचार कराया जा रहा है। आरोपी घटना के बाद से फरार है और उसकी तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

भीलवाड़ा में वाहन चोरी के आरोप में दो बदमाश अरेस्ट, 18 बाइक बरामद

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार करके उनसे चोरी की 18 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पीड़ित शंभू दयाल ने पांच जून को शिकायत की कि उसकी मोटर साइकिल वर्धमान स्कूल के पास खड़ी थी, जिसे अज्ञात चोर ले गया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज करके घटनास्थल के आसपास के तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की मदद से गोपाल (37) और उसके साथी भैंरूलाल (29) को पकड़ लिया। उनसे पूछताछ के बाद शहर के अलग इलाकों से कुल 18 मोटरसाइकिलें बरामद की गई।पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी गोपाल घोषित कुख्यात बदमाश है। उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और अन्य संगीन धाराओं के तहत 15 आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज हैं।

संतोषपुरा मार्ग पर व्यक्ति का शव मिला

भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में संतोषपुरा मार्ग पर सोमवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मिलने से अंदेशा जताया जा रहा है कि उसके साथ गंभीर मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या की धाराओं में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि संतोषपुरा मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पीछे एक युवक का शव बरामद किया गया, जिसकी शिनाख्त हितेश के रूप में हुई है। हितेश मूल रूप से मध्य प्रदेश का निवासी था। मृतक हितेश के साथ उसके ही गांव से अंकित पटेल नाम का एक अन्य युवक भी काम करने के लिए यहां आया था, जो वारदात के बाद से ही फरार है।पुलिस ने बताया कि संभवतः किसी बात को लेकर अंकित और हितेश के बीच विवाद हुआ होगा। यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि अंकित ने हितेश के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और वह शव को पेट्रोल पंप के पीछे फेंककर भाग निकला। पुलिस अंकित पटेल की तलाश में जुटी है।

कर्नाटक में महिला के साथ गैंगरेप, सभी 10 आरोपी अरेस्ट

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक 41 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर 10 पुरुषों द्वारा सामूहिक बलात्कार की चौंकाने वाली घटना ने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।,पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यह घटना 3 जून को बसवापट्टाना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में घटी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि पुरुषों के एक समूह ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और इस घटना को मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड भी किया गया। आरोपियों ने बाद में डिजिटल सबूतों को मिटाने या नष्ट करने का प्रयास किया, जो अब फोरेंसिक जांच का मुख्य केंद्र बिंदु है।पीड़िता ने इस मामले की जानकारी पुलिस को खुद दी थी जिसके बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक एचटी शेखर ने स्वयं प्रारंभिक जांच की निगरानी की। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शिकायत दर्ज होने के कुछ ही दिनों के भीतर सभी 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और जांचकर्ता घटनाक्रम को पुनः स्थापित करने और कथित वीडियो रिकॉर्डिंग की पुष्टि करने के लिए डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि नष्ट किए गए डेटा को पुनर्प्राप्त करने और साक्ष्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए साइबर और फोरेंसिक विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।अधिकारियों ने कहा कि आगे की कार्रवाई जांच के परिणाम पर निर्भर करेगी।इस घटना ने पूरे क्षेत्र में चिंता पैदा कर दी है, और आरोपियों को कड़ी सजा देने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग उठाई जा रही है।

महाराष्ट्र : चंद्रपुर में वर्धा नदी में डूबने से पांच किशोरों की मौत

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक दर्दनाक घटना में वर्धा नदी में कथित तौर पर पांच किशोरों की डूबने से मौत हो गयी। घुग्घुस पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार यह घटना घुग्घुस इलाके में तब सामने आई जब इंदिरा नगर इलाके के रहने वाले ये लड़के सोमवार दोपहर को वर्धा नदी के घाट पर जाने के बाद घर वापस नहीं लौटे। लापता लड़कों की पहचान तन्मय नवनाथ पाठाड़े (18), रोहित बाबाराव बोबड़े, सन्नी अशोक अर्पल्ली, नकुल भास्कर केलझरकर और सम्यक देवराव बोबड़े के रूप में हुई है।जब लड़के देर शाम तक घर नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और घुग्घुस पुलिस को सूचित किया। तलाशी के दौरान नदी के किनारे लड़कों के कपड़े, जूते-चप्पल और मोबाइल फोन मिले, जिससे उनके डूबने की आशंका बढ़ गई।पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और नदी में व्यापक तलाशी अभियान चलाने के लिये आज सुबह चंद्रपुर से एक विशेष बचाव दल को तैनात किया गया। सुबह करीब 7:30 बजे डब्लूसीएल पानी की टंकी के परिसर के पास से तन्मय नवनाथ पाठाड़े का शव बरामद किया गया। बाद में, दोपहर करीब 12 बजे बचाव कर्मियों ने रोहित बाबाराव बोबड़े और सन्नी अशोक अर्पल्ली के शवों को नदी से बाहर निकाला।पुलिस ने कहा कि अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि शेष दो लापता लड़कों नकुल भास्कर केलझरकर और सम्यक देवराव बोबड़े का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। नदी के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बचाव दलों द्वारा गहन तलाशी अभियान जारी है।

White House AI Brain Sriram Krishnan to Step Down: What It Means for Global Tech Policy

The landscape of American artificial intelligence strategy is bracing for a major transitional phase. Sriram Krishnan, the high-profile Indian-origin technology investor and principal architect of the White House's frontier tech policies, has officially announced he will step down from his role at the end of June 2026.Krishnan shared the update on the social media platform X (formerly Twitter), terming his 18-month tenure in public service as "the greatest honor" of his life. He emphasized that while he is taking a short break, he intends to remain deeply embedded in solving the strategic tech bottlenecks facing the United States and its allied nations.

Fact Check & Contextual Updates-While early wire reports summarized his resignation message, political and technical context from Washington sheds light on the intricacies of his departure:The Regulatory Friction: Krishnan, a former Andreessen Horowitz general partner and Meta/Twitter executive, consistently championed a pro-industry, "light-touch" regulatory stance. This occasionally placed him at odds with populist factions within the political ecosystem who favor tighter labor protections against automated displacement.The Institutional Pivot: According to administration insiders, Krishnan's exit isn't a retreat.

He is actively planning the launch of an external technology policy institution. This move allows him to advise the administration and international allies on rapid tech deployment without the bureaucratic bottlenecks of an official state post.

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे और आर्थिक स्थिति पर सर्वदलीय बैठक की मांग सहित 5 मुद्दों पर इंडिया गठबंधन में बनी सहमति

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की सोमवार को यहां हुई महत्वपूर्ण बैठक में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट तथा सीबीएसई परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तथा मौजूदा आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं तथा जनसरोकार के अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की गई।गठबंधन के नेताओं की बैठक में इस मुद्दे पर भी सहमति बनी कि गठबंधन के सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे और परस्पर समन्वय को और मजबूत करेंगे। इस क्रम में अगली बैठक आठ अगस्त को हैदराबाद में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गठबंधन के नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), कथित वोट चोरी और चुनावी धांधली के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह पत्र शीघ्र ही मुख्य न्यायाधीश को सौंपा जाएगा।खरगे ने कहा कि बैठक में प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग पर सर्वसम्मति बनी। गठबंधन का आरोप है कि नीट और सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े मामलों में लाखों छात्रों के हित प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के बीच समन्वय को और मजबूत किया जाएगा तथा नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह बैठकें आयोजित की जाएंगी। खरगे ने कहा कि बैठक में शामिल 25 दलों के नेताओं ने पांचों प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की।खरगे यह भी बताया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए और उन्होंने बैठक में लिए गए सभी निर्णयों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

खरगे की अध्यक्षता में कांस्टीट्यूशन क्लब में करीब ढाई घंटे तक चली बैठक में खरगे के अलावा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी और डेरेक ओ'ब्रायन, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और संजय यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जॉन ब्रिटास, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी राजा और पी संतोष कुमार, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और मोहिब्बुल्लाह नदवी, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और शमी ओबेरॉय, भाकपा (माले) के दीपांकर भट्टाचार्य और रवि कुमार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सादिक थंगल और ई.टी. मोहम्मद कुनहालिकुट्टी, केरल कांग्रेस (मणि) के जोस के. मणि, एमडीएमके के वाइको, वीसीके के थोल तिरुमावलवन और रवि कुमार, आरएसपी के एन.के. प्रेमचंद्रन, केरल कांग्रेस (जोसेफ) के फ्रांसिस जॉर्ज, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जी. देवराजन, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी के जयंत पाटिल, लोक दल के सुनील सिंह तथा निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल शामिल हुए।इससे पहले खरगे ने बैठक की शुरूआत में दिए अपने संबोधन में कहा कि गठबंधन ने लोकसभा में परिसीमन से जुड़े विधेयकों के खिलाफ जिस एकजुटता का परिचय दिया था, अब उसी भावना के साथ केंद्र सरकार के कुशासन के खिलाफ भी सामूहिक संघर्ष को आगे बढ़ाया जाएगा। उनका कहना था कि यह गठबंधन लगभग तीन वर्ष पहले अस्तित्व में आया था और गत 17 अप्रैल को लोकसभा में सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर परिसीमन के मुद्दे पर मोदी सरकार के दुर्भावनापूर्ण विधेयकों को पराजित किया था।

उन्होंने कहा कि अब इस एकता को और मजबूत करने की जरूरत है ताकि देश के सामने मौजूद राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा विदेश नीति से जुड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण करोड़ों लोगों का मताधिकार छीना जा रहा है और संविधान पर लगातार हमला हो रहा है।

खरगे ने कहा कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने, डराने-धमकाने के लिए किया जा रहा है और गैर-भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, आर्थिक माहौल नकारात्मक है और नई नौकरियां पैदा करने के लिए जिस गति से निवेश आना चाहिए, वह नहीं आ रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में निजी एकाधिकार बढ़ रहा है और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का भविष्य संकट में है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली के कुप्रबंधन के कारण लाखों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है तथा समाज के कमजोर वर्गों पर अत्याचार जारी हैं। उन्होंने कहा कि विदेश नीति में पारंपरिक मूल्यों से समझौता किया जा रहा।

मैं न होता, तो गहलोत की राजनीति ही खत्म हो जानी थी : गजेन्द्र सिंह शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि मैं न होता, तो उनकी राजनीति ही खत्म हो जानी थी।शेखावत ने सोशल मीडिया पर गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि मैं वीर दुगार्दास राठौड़ की परंपरा का अनुयायी हूं गहलोत जी, डर मेरे खून में नहीं है। आपको तो उल्टे अपने अप्रासंगिक हो जाने का भय सताता रहता है, इसलिए आप लगातार मेरे खिलाफ बोलते रहते हैं। सच तो यह है कि मैं न होता, तो आपकी राजनीति ही खत्म हो जानी थी।उन्होंने कहा कि वह गहलोत की तरह किसी एक परिवार का सेवक नहीं हैं। उन्होंने कह कि गहलोत का पूरा राजनीतिक जीवन पदलोलुपता और सत्ता से चिपके रहने का प्रमाण रहा है, इसलिए कम से कम उनसे मुझे किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं। उन्होंने कहा कि गहलोत ध्यान

भटकाने की राजनीति करते हैं जबकि मैं जनसेवा के अपने संकल्प पर प्रतिबद्ध हूं। बाकी समय स्वयं सबको जवाब दे देगा।इसके बाद शेखावत ने भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वह वीर दुगार्दास राठौड़ की परंपरा से प्रेरणा लेते हैं और उनकी ही तरह एक सामान्य परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा कि वीर दुगार्दास ने अपनी विचारधारा और स्वामीभक्ति के प्रति जिस निष्ठा और समर्पण का परिचय दिया, उसी भावना के साथ वह भी सार्वजनिक जीवन में कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि डर मेरे चरित्र और व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं है। मैं अपने संकल्प और विचारों के प्रति पूरी निष्ठा के साथ काम करता हूं। उन्होंने कहा कि गहलात इतने वरिष्ठ नेता हैं कि उनकी हर टिप्पणी का जवाब देना आवश्यक नहीं है लेकिन यह कहना जरूरी है कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए कभी सत्ता, कभी आर्थिक संसाधनों और कभी मीडिया प्रभाव का उपयोग किया है।उन्होंने कहा कि गहलोत 40 साल से राजस्थान की राजनीति में कांग्रेस की धूरी बने हुए हैं लेकिन अब उन्हें इससे उतरने का भय सताने लगा है इसलिए वह तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी देने की चर्चा चल रही है इसलिए भी गहलोत अर्नगल टिप्पणियां कर रहे हैं।

देवरिया में झाड़-फूंक के नाम पर महिला से रेप, तथाकथित तांत्रिक अरेस्ट

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के बनकटा थाना क्षेत्र में झाड़-फूंक के नाम पर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने एक तथाकथित तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी अंशुमान श्रीवास्तव ने कि एक गांव की महिला अपने बीमार बच्चे का झाड़-फूंक कराने के लिए तथाकथित तांत्रिक व्यासमुनि पाण्डेय के पास गई थी। आरोप है कि आरोपी ने बच्चे को पूरी तरह ठीक करने का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलने पर महिला के पति की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी-2) विशेष न्यायालय ने बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) में कथित 20 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीएचईडी) सुबोध अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी है।विशेष न्यायाधीश राजेश कुमार दडिया ने सोमवार को आरोपी पर लगाए गए आरोपों को गंभीर मानते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक मंजुला जैन ने जमानत याचिका का विरोध किया।सुनवाई के दौरान एसीबी ने अदालत को बताया कि अनुसंधान में सुबोध अग्रवाल को दोषी माना गया है और मामले की जांच अभी विचाराधीन है। एसीबी के अनुसार आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया और लंबे समय तक फरार भी रहा है।आरोपी सुबोध अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने अदालत में उन्हें बेगुनाह बताते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी परिस्थितिजन्य एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है और मामले पर विचार करने में लंबा समय लग सकता है।एसीबी ने सुबोध अग्रवाल को नौ अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी में गिरफ्तार किया था। इस मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित संजय बडाया, दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, डीके गौड़, महेंद्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक एवं निरिल कुमार न्यायिक हिरासत में हैं।मामले के एक अन्य आरोपी अरुण श्रीवास्तव को पहले ही राजस्थान उच्च न्यायालय जमानत दे चुकी है। वहीं, अन्य आरोपियों जितेंद्र शर्मा, मुकेश गोयल और संजीव गुप्ता के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)